Patrika (Indore), 10th December 2025, Page – 03

आइआइटी इंदौर के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में दी गई जानकारी

जोखिम कम करने में ड्रोन महत्वपूर्ण साधन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'अवसंरचना निर्माण के बदलते दौर में ड्रोन तकनीक और जियोसिंथेटिक्स ला रहे बड़े बदलाव' विषय पर चर्चा के साथ मंगलवार को पूरा हुआ। देशभर से आए 175 से ज्यादा प्रतिभागियों ने सड़क निर्माण, सुरंग, नींव, सर्वेक्षण और निगरानी जैसे क्षेत्रों में इन आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विस्तृत चर्चाएं की। सेमिनार में विद्यार्थी, शोधार्थी, इंजीनियर, ड्रोन विशेषज्ञों और उद्योग जगत के पेशेवर शामिल हुए। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन आइआइटी इंदौर, एसआरएम यूनिवर्सिटी (आंध्र प्रदेश) और इंटरनेशनल जियोसिंथेटिक सोसाइटी (इंदौर चैप्टर) ने किया।

उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञों ने बताया, सड़क और पुल निर्माण से लेकर ढलान सुरक्षा और बड़े भू-प्रकल्पों में जियोसिंथेटिक्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही ड्रोन अब सर्वे, मॉनिटरिंग और दुर्घटना जोखिम कम करने का महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। मुख्य अतिथि डॉ. महावीर बिदासरिया ने कहा, सतत और सुरक्षित अवसंरचना के लिए नई तकनीकें अपनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। उन्होंने उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि यह सेमिनार ऐसे समय में हुआ है, जब देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के लिए तेजी से आधुनिक तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। उनके अनुसार, शोध को जमीन पर उतरते इंजीनियरिंग समाधानों में बदलना ही ऐसे मंचों का उद्देश्य है।

सुरंग स्थल का भ्रमण कराया

सेमिनार के दौरान सीएसआइआर प्रयोगशालाओं, आइआइटीज और उद्योग के विशेषज्ञों ने ड्रोन आधारित एआइ विश्लेषण, संरचनात्मक स्वास्थ्य मूल्यांकन, सुरंग निर्माण में जीओ-टेक्निक्स और सड़क निर्माण में जियोसिंथेटिक्स की भूमिका पर व्याख्यान दिए। आखिरी दिन प्रतिभागियों को आइआइटी परिसर के पास निर्माणाधीन सुरंग स्थल का भ्रमण भी कराया गया।

'रॉक्स एंड मिनरल्स' पुस्तक का विमोचन: कार्यक्रम में 'रॉक्स एंड मिनरल्स: एन इलस्ट्रेटेड प्रैक्टिकल गाइड' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक आइआइटी इंदौर के विद्यार्थियों और डॉ. राम बड़ीगा ने लिखी है।